निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ अभिभावकों का हल्लाबोल

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। जिले के निजी स्कूलों द्वारा शिक्षा के नाम पर की जा रही खुली लूट और मनमानी के खिलाफ आज

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

अभिभावकों और जागरूक नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। महंगी किताबें, बेतहाशा फीस वृद्धि और हर साल बदले जा रहे पाठ्यक्रम के विरोध में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में उठाए गए मुख्य मुद्दे और आरोप : कमरतोड़ फीस और मनमाना रवैया- अभिभावकों का आरोप है कि निजी विद्यालय बिना किसी नियम या उचित कारण के हर साल मनमाने ढंग से फीस बढ़ा देते हैं, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है।

निर्धारित दुकानों से महंगी किताबें खरीदने का दबाव : स्कूलों द्वारा अभिभावकों को कुछ चुनिंदा और तय दुकानों से ही पुस्तकें व यूनिफॉर्म खरीदने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य किया जाता है। इन दुकानों पर किताबें बाजार मूल्य से कहीं अधिक दामों पर बेची जा रही हैं।

हर साल बदला जा रहा पाठ्यक्रम- कमीशन के खेल के चलते निजी स्कूल हर वर्ष बिना किसी ठोस कारण के पाठ्यक्रम और प्रकाशक बदल देते हैं। इसके कारण घर के छोटे भाई-बहन पुरानी किताबों से पढ़ाई नहीं कर पाते और अभिभावकों को हर साल हजारों रुपये का नया सेट खरीदना पड़ता है।

जनता का आक्रोश- शिक्षा को बना दिया व्यापार : प्रदर्शन में शामिल नागरिकों और अभिभावकों ने साफशब्दों में कहा कि शिक्षा जैसी बुनियादी जरूरत को निजी शिक्षण संस्थानों ने पूरी तरह से व्यापार बना दिया है। प्रशासन की ढील के कारण इन स्कूलों के हौसले बुलंद हैं और वे शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशों को ताक पर रखकर काम कर रहे हैं।

प्रशासनिक आश्वासन : कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन लेने पहुंचे अधिकारियों ने अभिभावकों को आश्वस्त किया है कि इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के माध्यम से निजी स्कूलों की मनमानी और नियमों के उल्लंघन की जांच कराई जाएगी और दोषियों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई होगी।

कलेक्टर से अभिभावकों की प्रमुख मांगें

निजी स्कूलों की फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए एक सख्त ऑडिट और जांच कमेटी का गठन किया जाए। किसी भी अभिभावक को निर्धारित दुकान से ही सामग्री खरीदने के लिए मजबूर करने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द की जाए। एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को अनिवार्य रूप से लागू कराया जाए ताकि हर साल किताबें बदलने के इस गोरखधंधे पर लगाम लग सके।

जबरन फसल जोतकर दी धमकी

विजयपुर, 10 दुलाई। थाना ढोढर मारपीट फरि. सुरेश पुत्र लोहरेराम हरदनीया उम्र 65 साल नि. रघुनाथपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 04.07.26 के 19.00 बजे स्थान फरि. का खेत मिलावली पर आरोपीगण 1. कृष्णगोपाल शर्मा 2. विनोद शर्मा 3. रिंकु शर्मा 4. तरसैम सरदार नि. ग्राम मिलावली थाना ढोढर ने फरि. के खेत मे खड़ी फसल को नष्ट कर दिया व खेत को जबरदस्ती जोत दिया फरि. ने रोका तो मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी।

श्योपुर पाली बायपास पर सड़क हादसे में युवक घायल

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। श्योपुर-पाली बायपास रोड पर अभी कुछ देर पहले एक सड़क दुर्घटना होने की खबर सामने आई है। इस हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जो फिलहाल बेहोशी की अवस्था में है।

कोई दस्तावेज नहीं मिला, पहचान में आ रही मुश्किल : प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक के पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या पहचान पत्र) बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी शिनाख्त की जा सके। युवक के बेहोश होने के कारण उसके नाम और पते की जानकारी नहीं मिल पा रही है।

परिजनों तक सूचना पहुंचाने की अपील : स्थानीय लोगों द्वारा घायल युवक को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। सोशल मीडिया और स्थानीय नागरिकों के माध्यम से इस खबर को अधिक से अधिक साझा करने की अपील की जा रही है, ताकि युवक की तस्वीर या हुलिए को देखकर उसके परिवार वाले या कोई भी परिचित व्यक्ति उसे पहचान सके और जल्द से जल्द अस्पताल में उसके परिजनों से संपर्क हो सके।

अपील- यदि कोई भी व्यक्ति इस क्षेत्र के आसपास रहने वाले या इस मार्ग से गुजरने वाले किसी परिचित के बारे में जानकारी रखता है, तो कृपया तुरंत स्थानीय अस्पताल या पुलिस प्रशासन को सूचित करें। इस संदेश को आगे बढ़ाएं ताकि घायल युवक को समय पर अपनों का साथ मिल सके।

पेड़ से लटका मिला 22 वर्षीय युवक का शव

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। जिले के कराहल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोरस गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शुक्रवार को यहाँ महुआ झरलिया नदी के पास एक 22 वर्षीय युवक का शव पेड़ से

लटका हुआ मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की भनक लगते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी : जैसे ही इस घटना की सूचना कराहल थाना पुलिस को मिली, थाना प्रभारी भारत सिंह गुर्जर तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी भारत सिंह गुर्जर ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों द्वारा घटना की जानकारी दी गई थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जा रहा है। मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जांच में जुटी पुलिस

युवक ने यह आत्मघाती कदम उठाया है या इसके पीछे कोई और वजह है, पुलिस अभी इन तमाम पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है। युवक की शिनाख्त और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस स्थानीय लोगों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। इस घटना के बाद से ही गोरस गांव और आसपास के क्षेत्र में मातम और दहशत का माहौल है।

एक नजर में

गाली देने से रोका तो किया हमला

विजयपुर, 10 जुलाई। मानपुर में मारपीट फरि. सुरेश पुत्र दीपचन्द्र ओढ राजपूत उम्र 40 साल नि. पंजाबी का टपरा थाना मानपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 09.07.26 के 21.00 बजे स्थान फरि. के घर के सामने पंजाबी का टपरा पर आरोपी रंजीत पुत्र मिसरी लाल ओढ राजपूत नि. ग्राम पंजाबी का टपरा मानपुर ने घर के सामने खड़े होकर गंदी गंदी गालियां दे रहा था मना करने पर थप्पड़ मारे नुकीली बस्तु से मारा चोट पहुंचाई।

मिर्गी के झटके आने के दौरान हुई मौत

विजयपुर। सूचनाकर्ता बाबूराम पुत्र रतिराम बंजारा उम्र 40 साल नि. ग्राम सौभाग्यपुरा थाना मानपुर ने बताया कि दि. 09.07.26 के 11.00 बजे स्थान मृतिका का घर ग्राम सौभाग्यपुरा पर मृतक रामसिया पत्नी बाबूराम बंजारा उम्र 38 साल नि. ग्राम सौभाग्यपुरा मानपुर मृतिका की मृत्यु मिर्गी के झटके आने से दौराने इलाज जिला अस्पताल श्योपुर मे हो गई।

पत्नी रे फोन पर बात करने से रोका तो की अभद्रता

विजयपुर। पंचम पुत्र मुल्ला कुशवाह उम्र 24 साल नि. ग्राम खितरपाल थाना विजयपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 09.07.26 के 15.30 से 15.40 बजे स्थान सब्जी मंडी तहसील विजयपुर पर आरोपी चन्दु शर्मा नि. बैनीपुरा थाना विजयपुर ने फरि. की पत्नी से फोन पर बात करने की बात पर गालियां देकर मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी।

छत से तार खींचते समय हुआ विवाद

विजयपुर। ब्रजेश पुत्र रामगिर गोस्वामी उम्र 37 नि. ग्राम मेवरा थाना विजयपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 09.07.26 के 20.00 से 20.10 बजे स्थान फरि. के घर के बाहर ग्राम मेवरा ने फरि, की छत से तार खीचते समय दीवाल गिरा दी एवं नुकसान की बात पर मारपीट की पत्थर फेंके गालियां दी व जान से मारने की धमकी दी।

पीटीआर फेल होने से सूखने की कगार पर धान की फसल

श्योपुर। क्षेत्र के किसानों के सामने एक बार फिर बिजली संकट के कारण

फसलों पर संकट मंडराने लगा है। तिल्लीपुर फीडर का पीटीआर (पावर ट्रांसफार्मर) फेल होने की वजह से इस फीडर से जुड़े तमाम गांवों के किसानों की धान की फसल पानी के अभाव में सूखने की कगार पर पहुंच गई है। धान की रोपाई के इस महत्वपूर्ण समय पर बिजली गुल होने से किसानों की चिंताएं बेहद बढ़ गई हैं। अपनी सूखती फसलों को बचाने और बिजली समस्या के त्वरित निराकरण के लिए शुक्रवार को क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने एकजुट होकर सुरेन्द्र सिंह जाट से मुलाकात की। किसानों ने उन्हें एक शिकायती पत्र सौंपते हुए तिल्लीपुर फीडर के खराब पड़े ट्रांसफार्मर से हो रही परेशानियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। किसानों का कहना था कि अगर जल्द ही बिजली सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो उनकी महीनों की मेहनत और लागत पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। अधिकारियों से कड़े शब्दों में बात करने के बाद सुरेन्द्र सिंह जाट ने किसानों को ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि अगले तीन दिनों के भीतर तिल्लीपुर फीडर पर नया ट्रांसफार्मर लगवाकर बिजली व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू कर दिया जाएगा।

जान से मारने की दी धमकी

विजयपुर, 10 जुलाई। मारपीट फरि. मोहम्मद याकूब पुत्र रमजानी मुसलमान उम्र 62 साल नि. वार्ड क्र. 01 फदनपुरा श्योपुर ने रिपोर्ट की कि दि. 09.07.26 के 12.30 बजे स्थान फरि. का खेत ग्राम जैदा पर आरोपी 1. अस्फाक 2. सरफराज नि. गण गैस एजेन्सी रोड़ श्योपुर ने फरि. द्वारा अपने खेत मे ट्रेक्टर चलाने की मना करने पर गंदी गंदी गालियां दी व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने बीएनएस कायम कर विवे. प्रआर. 295 दीपेश ओझा को सौपी।

हक के लिए कराहल में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे विधायक

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। श्योपुर जिले के कराहल मुख्यालय पर क्षेत्रीय राजनीति में उस समय गरमाहट आ गई, जब विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा स्थानीय आदिवासियों की मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। विधायक मल्होत्रा का कहना है कि जब तक आदिवासियों की जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, उनका यह धरना लगातार जारी रहेगा।

इन प्रमुख मांगों को लेकर खुला मोर्चा : विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा ने कराहल और आसपास के क्षेत्रों के आदिवासियों की मुख्य समस्याओं को उठाते हुए प्रशासन के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं।

सरकारी भूमि का पट्टा देना : लंबे समय से कृषि और निवास के लिए सरकारी जमीनों पर काबिज पात्र आदिवासियों को मालिकाना हक (पट्टा) दिया जाए ताकि वे अपनी जमीनों पर सुरक्षित रह सकें।

सीमांकन और नामांतरण : आदिवासियों की जमीनों का सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार सही सीमांकन (नपाई) किया जाए और लंबित नामांतरण (उत्तराधिकार या ट्रांसफर की प्रक्रिया) के मामलों का तुरंत निपटारा हो।

दबंगों का अतिक्रमण हटाना : आदिवासियों की जमीनों और सरकारी चारागाहों पर क्षेत्र के रसूखदारों और दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को प्रशासन तत्काल बलपूर्वक हटाए।

हक की लड़ाई के लिए पीछे नहीं हटेंगे : धरना स्थल पर समर्थकों और स्थानीय आदिवासियों को संबोधित करते हुए विधायक मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि कराहल क्षेत्र का आदिवासी समाज आज भी अपने बुनियादी अधिकारों के लिए भटक रहा है। उनकी जमीनों पर दूसरों का कब्जा है और पात्र होने के बाद भी उन्हें सरकारी पट्टे नहीं मिल पा रहे हैं। प्रशासन को इस सोए हुए रवैये को छोड़ना होगा। यह आदिवासियों के सम्मान और हक की लड़ाई है, और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं इस धरने से उठने वाला नहीं हूँ।

स्थानीय प्रशासन में मची खलबली

विधायक के अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राजस्व विभाग के अमले में हड़कंप मच गया है। धरना स्थल पर आदिवासियों की भारी भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक अफसरों की हलचल तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते आदिवासियों की इन मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया, तो यह आंदोलन आने वाले दिनों में और भी बड़ा रूप ले सकता है।

सड़क-पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

नवभारत न्यूज

श्योपुर/कराहल, 10 जुलाई। सरकारें ग्रामीण विकास और हर घर तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे करती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी कुछ और

मयापुर पंचायत के महुआ श्रोत में विकास ठप

ही बयां कर रही है। श्योपुर जिले के कराहल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मयापुर के ग्राम महुआ श्रोत की रोंडी से एक ऐसी ही बदहाली की तस्वीर सामने आई है, जहां विकास योजनाओं की मंजूरी तो मिल चुकी है, लेकिन वे फाइलों से बाहर नहीं निकल पाई हैं। यहां के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं/सड़क और पानीकृके लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

सड़क मंजूर, पर निर्माण का अता-पता नहीं कीचड़ में तब्दील हुआ रास्ता : ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के लिए मुख्य सड़क कागजों पर मंजूर हो चुकी है, लेकिन धरातल पर काम आज तक शुरू नहीं हो सका। ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण सड़क का निर्माण अधर में लटका हुआ है।

बारिश ने बढ़ाई मुसीबत- वर्तमान में मानसून (बारिश) के मौसम के चलते पूरा रास्ता दलदल और गहरे कीचड़ में तब्दील हो चुका है। रास्ते की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना भी दूभर है। किसी के बीमार होने पर एम्बुलेंस या अन्य वाहन का गांव के अंदर आना पूरी तरह नामुमकिन हो जाता है।

नल-जल योजना की खुली पोल- 2 साल पहले हुआ बोरवेल, पर मोटर गायब : गांव में पेयजल संकट को दूर करने के लिए करीब 2 साल पहले नल-जल योजना के तहत बोरवेल (खनन) कराया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब उनके घरों तक पानी पहुंचेगा, लेकिन यह उम्मीद भी सिर्फ एक शोपीस बनकर रह गई।

2 साल से मोटर का इंतजार : बोरवेल होने के 2 साल बीत जाने के बाद भी विभाग ने आज तक इसमें मोटर नहीं डाली है।

पानी के लिए हाहाकार : चालू मोटर न होने के कारण ग्रामीण पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। उन्हें पीने के पानी के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

धान की रोपाई संकट में

चंबल नहर में पानी की मांग को लेकर किसानों का कलेक्ट्रेट पर हल्ला बोल, दिया धरना

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। खरीफ सीजन की शुरुआत और धान की रोपाई की तैयारी के बीच श्योपुर के किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। कोटा बैराज से चंबल दाहिनी मुख्य नहर में तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को सैकड़ों किसानों ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया और करीब एक घंटे तक मुख्य द्वार पर धरना देकर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों का नेतृत्व कर रहे किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि जल्द पानी नहीं छूटा, तो जिले में एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

स्टेडियम से कलेक्ट्रेट तक निकली हुंकार रैली : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिलेभर के किसान पहले वीर सावरकर स्टेडियम में एकत्रित हुए। यहाँ रणनीति बनाने के बाद किसान वाहनों पर सवार होकर रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट का घेराव करते हुए किसानों ने प्रशासनिक व्यवस्था और जल संसाधन विभाग के खिलाफजमकर नारेबाजी की। लगभग एक घंटे चले इस धरने के बाद किसानों ने डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार जैन और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री चैतन्य चौहान को कलेक्टर के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

क्यों फूटा किसानों का गुस्सा : किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला ने बताया कि श्योपुर जिले के किसानों के लिए यह समय बेहद नाजुक है। किसान धान की मुख्य फसल की तैयारी में लगे हैं, लेकिन मानसून की बेरुखी और पर्याप्त बारिश न होने से संकट खड़ा हो गया है। एक तरफआसमान से पानी नहीं बरस रहा, दूसरी तरफ बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। ऐसे में किसानों के पास सिर्फचंबल नहर का ही सहारा है। अगर कोटा बैराज से चंबल दाहिनी मुख्य नहर में तुरंत पानी नहीं छोड़ा गया, तो धान की रोपाई का समय निकल जाएगा।

सोशल मीडिया पर दोस्ती कर नाबालिग से रेप

नवभारत न्यूज

सबलगढ़, 10 जुलाई। सबलगढ़ में सोशल मीडिया पर दोस्ती कर दुष्कर्म का मामला आया है लड़की दसवीं की छात्रा है।

सबलगढ़ पुलिस द्वारा लड़की को धमकाने बहला कर रेप करने के आरोप में अभिषेक मीणा ओर उसके दोस्त संजू रावत की खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। लड़की के परिजनों ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद भी आरोपी लड़की को जबरदस्ती अपने साथ ले जाने की धमकी भी दे रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक छात्रा की चार माह पहले सोशल मीडिया पर करौली के रहने वाले अभिषेक मीणा ओर केमाराकलां के संजू रावत से दोस्ती हुई थी यह दोस्ती धीरे धीरे आगे बढ़ गई करीब एक माह पहले लड़की को अभिषेक मीणा बहला फुसलाकर घर से बाहर ले गया ओर लड़की के साथ

गलत काम किया इसमें अभिषेक की उसके दोस्त संजू रावत ने मदद की थी वारदात के बाद डायल 112 की मदद से लड़की सुरक्षित अपने घर पहुंची तब जाकर पीड़िता के परिजनों को पता चला परिजनों ने दोनों लड़कों को समझाने की काफी कोशिश की परन्तु इसके बाद भी दोनों लड़के नहीं माने ओर लड़की को धमकाने परेशान करने लगे पीड़िता नाबालिग है ओर उसे फोन से धमकी दे रहे थे आरोपियों की धमकी ओर दवाब से परेशान होकर घटना के 30 दिन बाद पुलिस थाने जाकर दोनों लड़कों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

थाना प्रभारी पंकज मुद्गल ने बताया कि नाबालिक लड़की ओर उसके परिजनों के आवेदन पर अभिषेक मीणा पर गलत काम करने ओर संजू रावत पर सहयोग करने का मामला दर्ज कर लिया है।

गंदगी की भेंट चढ़ा शहर का बंजारा डेम, जिम्मेदार मौन

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 10 जुलाई। जो जलाशय पूरे शहर की प्यास बुझाने और ग्राउंड वाटर लेवल (जलस्तर) को बनाए रखने की रीढ़ की हड्डी है, आज वही अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। हम बात कर रहे हैं श्योपुर जिले के ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण बंजारा डैम की, जो इस समय प्रशासनिक अनदेखी और भारी गंदगी का शिकार हो चुका है।

बदहाली के मुख्य कारण और गंभीर समस्याएं : गंदे नालों का गंतव्य- पूरे शहर का गंदा पानी, नालों और नालियों का कचरा बिना किसी ट्रीटमेंट (उपचार) के सीधे इस पवित्र और महत्वपूर्ण डैम में बहाया जा रहा है।

तबाही की कगार पर वाटर लेवल : यह डैम पूरे श्योपुर शहर के वाटर लेवल को मेंटेन रखता है। अगर इसमें इसी तरह जहरीला

और गंदा पानी मिलता रहा, तो आने वाले समय में शहर का भूमिगत जल भी पूरी तरह दूषित हो जाएगा। तस्वीरें बयां कर रही हैं हकीकत- स्थानीय स्तर पर देखी जा रही तस्वीरों में साफदेखा जा सकता है कि किस तरह पानी के ऊपर हरी काई, प्लास्टिक का कचरा और गंदगी की मोटी परत जम चुकी है। स्वच्छ पानी की जगह अब यहां सिर्फसिल्ट (गाद) और कचरा नजर आ रहा है।

जनता की सेहत से खिलवाड़ कब तक : डैम में लगातार जमा हो रही गंदगी के कारण न सिर्फ आसपास के इलाकों में भयंकर बदबू फैल रही है, बल्कि मच्छरों के पनपने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। जो पानी श्योपुर को जीवन देने के काम आना चाहिए था, लापरवाही के चलते वह अब बीमारियों का

घर बनता जा रहा है।

समय रहते चेतने की जरूरत : अगर वक्त रहते बंजारा डैम का जीर्णोद्धार और इसकी मुकम्मल सफाई नहीं की गई, तो श्योपुर की आने वाली पीढ़ी को पानी की भारी किल्लत और गंभीर जल प्रदूषण का दंश झेलना पड़ेगा। अब देखना यह है कि इस जमीनी हकीकत को देखने के बाद भी प्रशासन गहरी नींद से जागता है या ढर्रा यूं ही चलता रहेगा।

प्रशासन से सीधे सवाल

जिम्मेदार अधिकारी और नगर पालिका इस गंभीर समस्या पर आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं। शहर के नालों के पानी को डैम में गिरने से रोकने के लिए अब तक वाटर ट्रीटमेंट या डायवर्जन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। क्या प्रशासन श्योपुर में किसी बड़ी जल-त्रासदी या महामारी के फैलने का इंतजार कर रहा है।